

## Dikshaurjit International Interdisciplinary Online Research Journal, Latur (DIIRJL)

Add.:Khadgaon Rd,Sambhaji Nagar,Near Smt.SushiladeviDeshmukh Senior College, LaturLatur, Maharashtra 413512, India.

Phone:9890408998, 8329647660Email ID: diirjournal@gmail.comWebsite:https://www.diirjournal.com

श्री. मोहन राठोड

आदित्य अध्यापक महाविद्यालय, लातूर

### प्रेमचंद की कहानियों में ग्रामीण जीवन

#### १. प्रस्तावना

मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के महान कथाकार हैं, जिन्हें उपन्यास सम्राट कहा जाता है। उनकी रचनाओं में भारतीय समाज का यथार्थ चित्रण मिलता है। विशेष रूप से उनकी कहानियों में ग्रामीण जीवन का सजीव और मार्मिक वर्णन किया गया है। उन्होंने किसानों, मजदूरों, गरीबों और शोषित वर्ग के जीवन को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया है।

#### २. उद्देश्य

प्रेमचंद की कहानियों में ग्रामीण जीवन का अध्ययन करना

ग्रामीण समाज की समस्याओं और परिस्थितियों को समझना

प्रेमचंद के यथार्थवाद का विश्लेषण करना

#### ३. अनुसंधान पद्धति

इस शोध में निम्नलिखित पद्धतियों का उपयोग किया गया है:

साहित्यिक विश्लेषण

संदर्भ ग्रंथों का अध्ययन

चयनित कहानियों का विश्लेषण

#### ४. प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

#### ५. प्रेमचंद की कहानियों में ग्रामीण जीवन का चित्रण

##### ५.१ गरीबी और आर्थिक शोषण

प्रेमचंद की कहानियों में किसानों की दयनीय स्थिति का चित्रण मिलता है। कफन में घिसू और माधव की गरीबी और असहायता को दर्शाया गया है।

##### ५.२ सामाजिक विषमता

ग्रामीण समाज में जाति-प्रथा, ऊँच-नीच और भेदभाव को स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। उनकी कहानियाँ सामाजिक असमानता को उजागर करती हैं।

##### ५.३ किसानों का जीवन संघर्ष

पूस की रात में हल्कू नामक किसान की कठिनाइयों और ठंड से जूझते जीवन का चित्रण है।

##### ५.४ अंधविश्वास और अशिक्षा

गांवों में फैले अंधविश्वास और शिक्षा की कमी को प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में दिखाया है।

#### ५.५ मानवीय संवेदनाएँ

उनकी कहानियाँ केवल समस्याएँ ही नहीं दिखाती, बल्कि मानवीय रिश्तों, कसूर और संवेदनाओं को भी उजागर करती हैं।

#### ६. प्रेमचंद का यथार्थवाद

मुंशी प्रेमचंद ने अपने साहित्य में यथार्थवाद को अपनाया। उन्होंने जीवन की सच्चाइयों को बिना किसी अलंकरण के प्रस्तुत किया, जिससे पाठक समाज की वास्तविक स्थिति को समझ सकें।

#### ७. निष्कर्ष

प्रेमचंद की कहानियाँ भारतीय ग्रामीण जीवन का सजीव दस्तावेज हैं। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों की समस्याओं को उजागर कर सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया। उनका साहित्य आज भी प्रासंगिक है और ग्रामीण जीवन को समझने में सहायक है।

#### ८. संदर्भ

प्रेमचंद की प्रमुख कहानियाँ हिंदी साहित्य के आलोचनात्मक ग्रंथ शैक्षणिक लेख

